विश्व सेवा के लिए अर्पित किया जीवन

बेहतर समाज की स्थापना के लिए युवाओं को आगे आने की आवश्यकता-दादी जानकी

आबू रोड, 2 अगस्त, निसं। जहॉं एक ओर समाज में फैशनपरस्ती का दानव युवा ब्रिगेड को निगलता जा रहा है। वहीं इसे पीछे छोड़ते हुए भारत कि विभिन्न हिस्सों से आयी 108 युवा बहनों ने पवित्र और सादगीपूर्ण जीवन अपनाकर समाज से भ्रष्टाचार, अत्याचार, आसुरी प्रवृत्ति से मुक्ति दिलाने का संकल्प लिया। मूल्यनिष्ठ समाज की स्थापना के उददेश्य से परमात्मा शिव को माता-पिता और सर्व सम्बन्धों में अंगीकार करते हुए अपना जीवन शांतिवन परिसर के विशाल डायमंड हॉल में हजारों सभा के बीच शपथ लेती हुई ब्रह्माकुमारीज संस्था में समर्पित कर दिया।

इस अवसर पर उपस्थित सभा को सम्बोधित करते हुए संस्था की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी ने कहा कि आज के युग में इन बहनों ने देश और पूरे विश्व की समाज सेवा के लिए अपना जीवन समर्पित कर एक मिशाल कायम किया है। आज के युग से अपराध और आसुरी प्रवृत्तियों को समाप्त करने के लिए ऐसे युवा बहनों और भाईयों को आगे आने की आवश्यकता है। उन्होंने संस्था के प्रारम्भिक दिनों को याद करते हुए कहा कि संस्था के प्रारम्भ में केवल तीन सौ लोग थे। परन्तु परमात्मा शिव के निर्देशन में आज 26 हजार से भी ज्यादा युवा बहनें समाज सेवा में समर्पित है। भारत माता और वन्देमातरम के गौरव को पुन: इस धरा पर स्थापित करना हमारा लक्ष्य है।

अखिल भारतीय साधू समाज सम्मेलन के सचिव त्रिनिदाद के स्वामी ब्रह्मदेव उपाध्याय ने कहा कि सन्यास जीवन घरबार छोड़ने से नहीं बल्कि बुराईयों को अपने जीवन से सदा निकाल देने से है। यह इस संस्था का मुख्य लक्ष्य है। और यही सन्यास की सच्ची परिभाषा भी। शांति की तलाश यहॉं आकर पूरी हो जाती है। यहॉं पर आत्मिक संम्बन्धों की प्रगाढ़ता सीधे परमात्मा शिव से संवाद कराती है। यह व्यक्तिगत अनुभव के आधार पर सच साबित हो जाती है। सभी लोगों को परमात्मा शिव द्वारा स्थापित हो रही इस नयी दुनियां में भागीदार बनना चाहिए। संस्था की अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी हृदयमोहिनी ने कहा कि आज का दिन संस्था के इतिहास में नये अध्याय के रूप में जुड़ेगा। संस्था के महासचिव ब्र0 कु0 निर्वैर सभी के सुखद भविष्य की कामना करते हुए कहा कि मुझे पूर्ण विश्वास है कि ये बहने पूरे भारत को बदलने के प्रयास में सफल होगी।

इस अवसर पर संस्था की संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी जी, ग्राम विकास प्रभाग की अध्यक्षा ब्र0 कु0 मोहिनी, ब्र0 कु0 मुन्नी, ईशू दादी, संस्था के जनसम्पर्क एवं सूचना निदेशक ब्र0 कु0 करूणा, समाज सेवा प्रभाग के राष्ट्रीय समन्वयक ब्र0 कु0 अमीरचन्द, कार्यकारी सचिव ब्र0 कु0 मृत्युंजय, शांतिवन प्रबन्धक ब्र0 कु0 भूपाल सहित संस्था के सभी वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित थे। इसके साथ ही सभी युवा बहनों के करीब पांच हजार से भी ज्यादा माता-पिता सहित सगे सम्बन्धी तथा रिश्तेदार मौजूद थे।

विशेष आकर्षण: सभी कुमारियों को पिताम्बर चुन्नी से सजाया गया था। इसके साथ ही गाजे-बाजे के साथ उन्हें स्टेज पर बिठाया गया। कन्याओं के माता-पिता ने खुशी से अपने-अपने पुत्रियों को इस सेवा के लिए संस्था में आजीवन समर्पित कर दिया। इसके पश्चात संस्था के नियमों पर चलते हुए पूरे आजीवन समाज सेवा करने के लिए शपथ दिलायी गयी। जिसपर सभी ने अपना एक हाथ आगे कर इसको पूरा करने का दृढ़ संकल्प लिया। इसके पश्चात सभी ने संस्था की वरिष्ठ दादियों से जीवन में सफलता के लिए शुभकामनोयं प्राप्त की।

फोटो: 2एबीआरओपी, 1, 2, 3, 4, 5 स्टेज पर बैठी युवा बहनें, सम्बोधित करती दादी जानकी तथा शपथ लेती कुमारियां।